



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कानपुर, उत्तर प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 17-06-2025

मथुरा(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-06-17 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-06-18	2025-06-19	2025-06-20	2025-06-21	2025-06-22
वर्षा (मिमी)	7.0	7.0	4.0	16.0	17.0
अधिकतम तापमान(से.)	37.0	37.0	36.0	34.0	34.0
न्यूनतम तापमान(से.)	27.0	27.0	27.0	26.0	25.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	84	81	79	84	86
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	51	50	49	58	57
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	10	3	4	6	4
पवन दिशा (डिग्री)	99	113	156	204	160
क्लाउड कवर (ओक्टा)	5	3	5	6	7
चेतावनी	आंधी और बिजली, तूफान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	आंधी और बिजली, तूफान आदि

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आगामी पांच दिनों में मध्यम से घने बादल छाये रहने के कारण दिनांक 18-22 जून, 2025 के मध्य स्थानीय स्तर पर गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम वर्षा, तेज हवाएँ चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 34.0- 37.0°C के मध्य है, जो सामान्य से 1-2°C कम रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 25.0-27.0°C के मध्य है, जो सामान्य के करीब रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता की अधिकतम एवं न्यूनतम सीमा 79-86 तथा 49-58% के मध्य है। हवा की दिशा दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पश्चिम है तथा हवा की गति 3.0-10.0 किमी प्रति घंटा के मध्य है, तथा झोंके सामान्य से 3-4 किमी प्रति घंटा अधिक गति से चलने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार दिनांक 18-22 जून 2025 के मध्य स्थानीय स्तर पर हल्की से मध्यम वर्षा, गरज-चमक के साथ तूफान, तेज हवाएँ चलने की चेतावनी है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

आगामी सप्ताह में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे जायद की परिपक्व फसलों की कटाई-मड़ाई कर अनाज को सुरक्षित रखें। धान की तैयार पौध की रोपाई के लिए खेत की तैयारी कर पौध की रोपाई करें, तथा खरीफ फसलों की बुवाई का कार्य उचित नमी पर करें। पशुओं को बरसात के वक्त खुले स्थान पर न बाँधें।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे वर्षा की संभावना को देखते हुए कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर रखें या फसल को खेत में एकत्र कर पॉलीथिन शीट से ढक दें। बारिश के बाद फसल को धूप में अच्छी तरह सुखाकर मड़ाई का कार्य करें। धान के पौध की रोपाई के लिए खेतों के मेड़ों को मजबूत करें। जिससे बरसात का पानी खेतों में रुका रहे। पशुओं को सुबह-शाम नहलायें, छायेदार स्थान पर रखें, 3-4 बार पानी पिलायें। कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों के लिए, केवल साफ पानी से उपकरणों को धोने के लिए उपयोग करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े होकर कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशकों स्प्रे न करें। छिड़काव शाम को किया जाना चाहिए, यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन से अच्छी तरह से धोना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

वर्षा की संभावना को देखते हुए कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान या खेत में एकत्र कर पॉलीथिन शीट से ढक दें। बारिश के बाद फसल को धूप में अच्छी तरह सुखाकर मड़ाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान की नर्सरी से अत्याधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें। धान के पौध की रोपाई के लिए खेतों के मेड़ों को मजबूत करें। जिससे बरसात का पानी खेतों में रुका रहे। खेतों की तैयारी कर धान की नर्सरी डालें, साथ ही उन्नतशील किस्मों नरेंद्र-359, नरेंद्र धान-2026, नरेंद्र धान-2064, नरेंद्र धान-2065, नरेंद्र धान-3112, सरजू-52, सीता आदि तथा संकर किस्मों- प्रो.एग्रो -6444 (2001) एराइज, प्रो.एग्रो -6201 (2001) एराइज, पी.एच.बी.-71, पायनियर -27 पी 31, 27 पी 37, 28 पी 67, आर आर एक्स -113, कावेरी -468, के.आर.एच -2, यू.एस.-312, आर.एच.-312, आर.एच.-1531 आदि एवं सुगंधित धान की किस्म- टाइप-3, पूसा बासमती-1, मालवीय सुगंध-105, मालवीय सुगंध-3-4, नरेंद्र सुगंध एवं नरेंद्र ऊसर धान-1, नरेंद्र ऊसर धान-2, नरेंद्र ऊसर धान-2008, सी.एल.आर.-10 आदि में से किसी एक किस्म के बीजों एवं खाद की व्यवस्था कर नर्सरी डालें। धान के बीजों की नर्सरी डालने के 15 दिन पूर्व खेत में हल्की सिंचाई करे ताकि खेत में निकलने वाले खरपतवार खेत तैयार करते समय नष्ट हो जाय। नर्सरी में जिक की कमी के कारण होने वाले खैरा रोग जिसमें पत्तियां पीली पड़ जाती है एवं बाद में कलई रंग के धब्बे पड़ जाते हैं, लक्षण दिखाई देने पर इसके नियंत्रण हेतु 5 कि.ग्रा. जिक सल्फेट को 2 प्रतिशत यूरिया के घोल के साथ अथवा 2.5 कि.ग्रा. बुझे चूने को प्रति हे. लगभग 1000 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
मक्का	वर्षा की संभावना को देखते हुए बुवाई का कार्य स्थगित रखें। खरीफ मक्का की बुवाई के लिए खेतों की तैयारी करने के पश्चात् उन्नतशील संस्तुति संकुल प्रजातियां- कंचन, गौरव, श्वेता, आजाद उत्तम एवं संकर प्रजातियां- , एच एम एच -3904, पी एम एच -3, एन के -61, प्रकाश,वाई -1402, बायो-9681, प्रो -316 ,डी -9144, दिकाल्ब- 7074, पीएचबी- 8144, दक्कन 115, एम.एम.एच.-133 आदि में से एक किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था कर, मक्के की संकुल प्रजाति की बुवाई के लिए 20 -25 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर तथा शंकर प्रजाति 18 -20 किलोग्राम बीज / हेक्टेयर की दर से बुवाई करें।
तिल	वर्षा की संभावना को देखते हुए बुवाई का कार्य स्थगित रखें। तिल की उन्नतशील किस्मों यथा गुजरात तिल-6, आर.टी.-346, आर.टी.-351, तरूण, प्रगति, शेखर टाइप-78, टाइप-13, टाइप-4 व टाइप-12,

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	एम.टी.-2013-3 व .यू.ए.टी. तिल-1 की बुवाई करें।
मक्का	बर्षा की संभावना को देखते हुए कटी हुई मक्का की फसल को सुरक्षित स्थान पर रखें या कटी हुई उपज को खेत में एकत्र कर पॉलीथिन शीट से ढक दें। बारिश के बाद फसल को धूप में अच्छी तरह सुखाकर मड़ाई का कार्य करें। किसानों को सलाह दी जाती है कि मक्के की परिपक्व भुट्टों की तुड़ाई करें तथा तोड़े गये भुट्टे से दाने को अलग करने के पश्चात धूप में अच्छी तरह सुखा कर ही भण्डारित करें।
गन्ना	बर्षा की संभावना को देखते हुए सिंचाई का कार्य स्थगित रखें। खड़ी गन्ने की फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई कर उचित नमी बनाए रखें तथा खरपतवार नियंत्रण के लिए निराई-गुड़ाई करें। ये सभी कृषि संबंधी कार्य मानसून की वर्षा प्रारम्भ होने से पूर्व पूर्ण कर लें। चोटी बेधक कीट के नियंत्रण हेतु ग्रसित नवजात पौधे को जमीन की सतह से काटकर नष्ट कर दें अत्यधिक प्रकोप दिखाई दे तो इसके नियंत्रण हेतु क्लोरेन्ट्रोनिलीप्रोल 18.5 एस.सी. के 150-200 मि.ली. कीटनाशक दवा को 400 -500 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव कर सिंचाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	खरीफ में बोई जाने वाली सब्जियों के पौध की नर्सरी /बुवाई करें। बैंगन, मिर्च , अगेती फूलगोभी की नर्सरी व भिन्डी, लोबिया, कद्दू, लौकी, तरोई, करेला, खीरा आदि की बुवाई का उपयुक्त समय है। जायद कद्दू, लौकी, तरोई,करेला, खीरा, ककड़ी,तरबूज, खरबूजा आदि तैयार फसलों की तुड़ाई कर बाजार भेजे। सब्जियों की फसलों में फल छेदक /पत्ती छेदक कीट की रोकथाम हेतु नीम आयल 1.5-2.0 मिली०/लीटर पानी में घोल बनाकर 3 -4 छिड़काव 8 -10 दिन के अन्तराल पर करें। सब्जियों की खड़ी फसलों में निराई - गुड़ाई करें तथा सिंचाई का कार्य 8-10 दिन के अन्तराल पर शाम के समय करें। कद्दूवर्गीय फसलों में हरा फुदका एवं सफेद मक्खी कीट के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 30.5 प्रतिशत 1.0 मिली. रसायन एवं तना व फल छेदक कीट के नियंत्रण के लिए फ्लुबेन्डीमाइड 39.35 प्रतिशत की 1.0 मिली. रसायन की मात्रा को प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें तथा फल मक्खी से बचाने हेतु क्यू ल्योर फेरोमोन ट्रेप 8-10 ट्रेप प्रति हे० की दर से लगायें।
आम	फलदार बागों की रोपाई हेतु मई माह में खोदे गये गड्ढों की भराई करने के लिए ऊपर की आधी मिट्टी में सड़ी हुई खाद की गोबर को मिलाकर जमीन की सतह से 15 से 20 सेंटीमीटर ऊपर तक भराई कर लें। आम एवं अमरूद फलों में फलमक्खी से बचाव हेतु मिथाइल यूजिनाल एवं क्यू ल्योर ट्रेप 8-10 ट्रेप प्रति हे० में 6 से 8 फिट की ऊंचाई पर टहनियों में बांध कर लटकाए तथा नीम एक्सट्रेक्ट 5 प्रतिशत प्रति लीटर पानी में घोलकर 10-15 दिन के अन्तराल पर छिड़काव करें तथा 20-25 दिन के अन्तराल पर ल्योर को बदलते रहे।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को रात के दौरान खुले में बांधें। पशुओं को दिन के समय छायेदार स्थान पर बांधे या पेड़ के नीचे पशुओं को न बांधे क्योंकि इस सप्ताह हवाओं की गति सामान्य से तेज चलने के कारण पेड़ / पेड़ों की टहनियों के गिरने की सम्भावना अधिक रहती है। पशुओं को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम हेतु एफ.एम.डी. वैक्सीन तथा लगड़िया बुखार से बचाव हेतु वी.क्यू. वैक्सीन से टीकाकरण कराये। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में ३-४ बार अवश्य पिलायें। गर्भित पशुओं को ढलान वाले स्थान पर न बांधे। पशुओं को पेट में कीड़ों की रोकथाम के लिए कृमिनाशक दवा देने का उचित समय है।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। मुर्गियों के पेट में कीड़ों की रोकथाम (डिवमिर्ग) के लिए दवा दें। मुर्गियों को गर्मी से बचाव हेतु मुर्गी हाउस में पर्दे, पंखे और वेंटिलेशन की व्यवस्था करें। मुर्गियों को गर्मी से बचाने के लिए मुर्गी घर में लगे हुए जुट के पर्दों पर पानी के छींटे मारे जिससे ठंडक बनी रहे।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार दिनांक 18-22 जून 2025 के मध्य स्थानीय स्तर पर हल्की से मध्यम वर्षा, गरज-चमक के साथ तूफान, तेज हवाएं चलने की चेतावनी है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

आगामी सप्ताह में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे जायद की परिपक्व फसलों की कटाई-मड़ाई कर अनाज को सुरक्षित रखें। धान की तैयार पौध की रोपाई के लिए खेत की तैयारी कर पौध की रोपाई करें, तथा खरीफ फसलों की बुवाई का कार्य उचित नमी पर करें। पशुओं को बरसात के वक्त खुले स्थान पर न बाँधें।

Farmers are advised to download Unified  Mausam  and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details>

Damini MobileApp link : <https://play.google.com/store/apps/details>